विषय-सूची

१ जयतु दिवि श्री देवकुमारः (कविता)—[श्री रामनाथ पाठक 'प्रणयी' १
२ बाबू देवकुमार जी की जीवनी (कविता)—[स्व० श्री जैनेन्द्र किशोर जैन २
३ बाबू देवकुमार जी का महान् त्याग—[श्री १०५ क्षुल्लक गणेश प्रसाद जी वर्णी ६
४ स्व० बा० देवकुमार जी की दानशीलता—[पं० कैलाशचन्द्र सिद्धान्त-शास्त्री ७
५ स्वर्गीय बाबू देवकुमारः उदार स्वभाव—[श्रीयुत् पं० सकल नारायण शर्मा, महामहोपाध्याय ११
६ श्रीदेवकुमार जी की दक्षिण यात्रा—[श्री पं० के० भुजबली शास्त्री १४
७ पत्रकार स्व० श्री देवकुमार जैन—[श्री बा० रामबालक प्रसाद साहित्यरत्न १७
८ अभिनन्दनीय का अभिनन्दन (कविता)—[श्री बा० वीरेन्द्र प्रसाद जैन २६
९ श्री बा० देवकुमारः जीवन और विचारधारा—[श्री प्रो० चन्द्रसेन कुमार जैन, एम० ए० .... २८
१० बा० देवकुमार जी के प्रति (कविता)—[श्री महेन्द्र 'राजा' ४७
११ बाबू देवकुमार जी : एक संस्मरण—[श्री पं० हरनाथ द्विवेदी काव्य-पुराणतीर्थ ४८
१२ कुमार का सफल स्वप्न (कविता)—[श्री पं० कमलाकान्त व्याकरण-साहित्याचार्य ५८
१३ युगावतारी श्री बा० देवकुमार—[श्री बा० अजित प्रसाद एम० ए० .... ६१
१४ कतिपय मधुर संस्मरण—[श्रीमती ब्र० पं० चन्दाबाई ६३
१५ प्रशस्तिः श्री देवकुमारस्य (कविता)—[श्री ब्रह्मदत्त मिश्र वेद-साहित्य-धर्मशास्त्राचार्य ७०
१६ बाबू देवकुमार जी की समाज को देन—[श्री बा० छोटेलाल जैन ७१
१७ राजर्षि बाबू देवकुमार—[श्री पं० नेमिचन्द्र शास्त्री ७३
१८ श्रद्धाञ्जलियाँ :—(१) युगप्रवर्त्तक—[रावराजा सरसेठ श्री हुकुमचंद स्वरूपचंद ७८

(२) अनुकरणीय नेता—[सरसेठ श्री भागचंद सोनी ७८
(३) तीर्थभक्त—[श्री सेठ रतनचंद जैन ७९
(४) महान् नेता—[श्री लाला परसादी लाल पाटनी ७९
(५) नारी जाति के उद्धारक—[श्री जैन-बाला-विश्राम.... ८१
(६) अनुपम विभूति—[श्री पं० चैनसुखदास न्यायतीर्थ ८२
(७) इस युग के महान्—[श्री पं० अजितकुमार शास्त्री... ८२
(८) नररत्न—[श्री पं० दरबारीलाल न्यायाचार्य ८३
(९) सहज देवत्व की प्रतिमूर्त्ति—[श्री पं० जवाहर लाल, शास्त्री ८३
(१०) सरस्वती पुत्र—[श्री पं० रामप्रीत शर्मा ८४
(११) हिन्दी हितैषी—[श्री बनारसी प्रसाद 'भोजपुरी'.... ८५
(१२) स्मरणीय—[श्री पं० नाथूराम प्रेमी ८६
(१३) कर्मठ त्यागी—[श्री बुद्धन राय वर्मा ८६
(१४) युवकों के पथ-प्रदर्शक—[श्री पं० माधवराम शास्त्री ८६
(१५) महान्—[श्री पं० परमानन्द शास्त्री ८७
(१६) कृतज्ञता (कविता)—श्री स्याद्वाद महाविद्यालय, काशी ८७
१९ श्री बा० देवकुमार जी का वसीयतनामा— ८८